राजस्थान विधान सभा की कार्यवाही का वृत्तान्त

अंक : 5] तेरहवीं विधान सभा के पंचम सत्र का पहला दिवस [संख्या : 01

सोमवार;

30 अगस्त, 2010

राजस्थान विधान सभा की बैठक 11.00 बजे
राजस्थान विधान सभा भवन, जयपुर में प्रारम्भ हुई।

(श्री दीपेन्द्र सिंह शेखावत, अध्यक्ष, पदासीन)

राष्ट्रीय गीत

वन्दे मातरम्। वन्दे मातरम्।
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्।
शस्य श्यामलाम् मातरम्। वन्दे मातरम्।
शुभ्र ज्योत्स्ना पुलकित यामिनी।
फुल्ल कुसुमित द्रुमदल शोभिनी।
सुहासिनी सुमधुर भाषिणी।
सुखदाम् वरदाम् मातरम्।
वन्दे मातरम्। वन्दे मातरम्।

श्री अध्यक्ष: सचिव।

सचिव (विधानसभा) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से गत सत्र में पारित उन विधेयकों का विवरण सदन की मेज पर रखता हूं, जिन पर राज्यपाल महोदय की अनुमति प्राप्त हो चुकी है:-

राज्यपाल महोदय द्वारा अनुमति प्राप्त विधेयक

1. राजस्थान विनियोग (संख्या-1) विधेयक, 2010
2. राजस्थान विनियोग (संख्या-2) विधेयक, 2010
3. राजस्थान वित्त विधेयक, 2010
4. राजस्थान निजी विश्वविद्यालय विधियां (संशोधन) विधेयक, 2010

(सचिव)

5. राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2010
6. डा. के.एन. मोदी विश्वविद्यालय, निवाई (टोंक) विधेयक, 2010
7. श्रीधर विश्वविद्यालय, बिगोदना (झुंझुनूं) विधेयक, 2010
8. होम्योपैथी विश्वविद्यालय, जयपुर विधेयक, 2010
9. एन.आई.आई.टी. विश्वविद्यालय, नीमराना (अलवर) विधेयक, 2010
10. पेसिफिक उच्चतर शिक्षा और अनुसंधान अकादमी विश्वविद्यालय, उदयपुर विधेयक, 2010
11. राजस्थान सहकारी सोसायटी (संशोधन) विधेयक, 2010
12. राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय विधेयक, 2010
13. राजस्थान पर्यटन व्यवसाय (सुकरकरण और विनियमन) विधेयक, 2010
14. राजस्थान विधान सभा (अधिकारियों तथा सदस्यों की परिलब्धियां और पेंशन) (संशोधन) विधेयक, 2010
15. राजस्थान मंत्री वेतन (संशोधन) विधेयक, 2010

शोकाभिव्यक्ति एवं श्रद्धांजलि

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, शोकाभिव्यक्ति के इस अवसर पर मैं गत दिनों दिवंगत हुए भारत के पूर्व उप राष्ट्रपति श्री भैरोंसिंह शेखावत, राजस्थान की राज्यपाल श्रीमती प्रभा राव, सांसद श्री कृष्ण लाल बाल्मिकी, इस विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री राम रतन बैरवा, श्री हरीश शर्मा, मेजर फतेह सिंह, श्री पुखराज कालानी एवं श्री गोविन्द सिंह तथा मंगलौर हवाई अड्डे पर हुए विमान हादसे में मारे गये लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए यह शोक प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं।

भैरोंसिंह शेखावत, श्री पूर्व उप राष्ट्रपति एवं मुख्य मंत्री

पूर्व उप राष्ट्रपति श्री भैरोंसिंह शेखावत का जन्म 23 अक्टूबर, 1923 को सीकर जिले के खाचरियावास ग्राम में हुआ। आपने मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त की। श्री शेखावत अपने पिता के असामयिक निधन के कारण अपनी शिक्षा जारी नहीं रख सके।

(श्री अध्यक्ष)

श्री भैरोंसिंह शेखावत पहली से चौथी राजस्थान विधान सभा में जन संघ, छठी विधान सभा में जनता पार्टी तथा सातवीं से ग्यारहवीं विधान सभा तक भारतीय जनता पार्टी के विधायक रहे। आपने विधान सभा में दांतारामगढ़, श्रीमाधोपुर, किशनपोल, छबड़ा, निम्बाहेड़ा, धौलपुर तथा बाली निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व किया। आप अप्रैल, 1974 से दिसम्बर, 1977 तक राज्य सभा के सदस्य भी रहे। श्री शेखावत अगस्त, 2002 में भारत के उप राष्ट्रपति निर्वाचित हुए तथा 19 अगस्त, 2002 से 21 जुलाई, 2007 तक राज्य सभा के पदेन सभापति रहे। राज्य सभा के सभापति के रूप में आप द्वारा दी गई व्यवस्थाओं तथा प्रक्रियागत सुधारों को सदैव याद किया जाएगा।

श्री शेखावत वर्ष 1977 से 1980, 1990 से 1992 तथा 1993 से 1998 तक तीन बार राजस्थान के मुख्य मंत्री के पद पर आसीन रहे। आपने मुख्य मंत्री के रूप में राज्य की आर्थिक समृद्धि, आधारभूत ढांचे के निर्माण तथा शिक्षा के क्षेत्र को नई दिशा देकर राज्य को विकसित राज्यों की श्रेणी में ला खड़ा किया। श्री शेखावत ने गरीबों के उत्थान के लिए अन्त्योदय, काम के बदले अनाज और अपना गांव-अपना काम जैसी योजनाएं शुरू कीं। आपकी अन्त्योदय योजना से प्रभावित होकर भारत सरकार ने भी एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम शुरू किया।

सभी धर्मों के प्रति सदभाव रखने वाले श्री शेखावत देश के पहले मुख्य मंत्री थे जिन्होने वक्फ अधिनियम के तहत राज्य वक्फ प्राधिकरण की स्थापना की तथा उर्दू साहित्य एवं भाषा के विकास के लिए राज्य में उर्दू अकादमी की स्थापना की। आप यूनिट ट्रस्ट आफ इंडिया के माध्यम से कन्या विवाह हेतु सहायता देने के उद्देश्य से शुरू की गयी 'राजलक्ष्मी योजना' तथा छोटे आदर्श परिवार की संकल्पना के जनक भी थे।

आप वर्ष 1980 से 1990 तथा 1998 से 2002 तक राजस्थान विधान सभा में प्रतिपक्ष के नेता रहे। आप विधान सभा की जन लेखा समिति, कार्य सलाहकार समिति और अनेक प्रवर समितियों के सदस्य तथा तीन बार राजकीय उपक्रम समिति के सभापति रहे। पांच दशक के दीर्घ राजनैतिक जीवन में आप राज्य के राजनैतिक परिदृश्य पर छाये रहे। विधान सभा में आपका शालीन आचरण तथा प्रत्येक विषय पर गम्भीर अध्ययन और सदन में तर्कपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने की कला सभी के लिए आदर्श एवं

(श्री अध्यक्ष)

अनुकरणीय है। हाजिर जवाब श्री शेखावत सदन में हंगामे तथा अव्यवस्था की स्थिति में भी सहज भाव से अपनी बात कह कर सदन का वातावरण अनुकूल बनाने की क्षमता रखते थे।

मृदुभाषी तथा सरल स्वभाव के धनी श्री शेखावत आम आदमी से भी बड़ी आत्मीयता से मिलते थे। उनके समर्पण तथा निःस्वार्थ सेवा के कारण सभी उनका आदर तथा सम्मान करते थे। निष्ठापूर्ण देश सेवा तथा दलगत भावनाओं से ऊपर उठकर स्थापित किये गये प्रतिमानों के लिए आपको सदैव स्मरण किया जायेगा। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी श्री शेखावत के भाषणों का संकलन 'चिंतन और अवधारणा' तथा 'आम आदमी और लोकतंत्र' हिन्दी में तथा 'विजन आफ वाइब्रेंट इंडिया' अंग्रेजी में प्रकाशित हुए।

श्री शेखावत ने कच्छ आंदोलन, शिमला समझौता विरोधी आंदोलन में सक्रिय योगदान दिया तथा आपातकाल के दौरान 19 माह की जेल यात्रा भी की। आप सिंधी शरणार्थियों के पुनर्वास तथा भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए सदैव प्रयत्नशील रहे। आपने राजनीति में प्रवेश से पूर्व चार वर्ष तक राजकीय सेवा भी की।

श्री भैरोंसिंह शेखावत का दिनांक 15 मई, 2010 को निधन हो गया। श्री शेखावत के निधन से देश ने एक जागरूक जन नेता, प्रतिष्ठित संसदविद, कुशल राजनयिक तथा दक्ष प्रशासक खो दिया है।

प्रभा राव, श्रीमती पूर्व राज्यपाल राजस्थान

राजस्थान की राज्यपाल श्रीमती प्रभा राव का जन्म 4 मार्च, 1935 को मध्य प्रदेश के खंडवा में हुआ। आपने राजनीति विज्ञान में एम.ए. तथा भारतीय शास्त्रीय संगीत में स्नातकोत्तर डिप्लोमा की उपाधियां प्राप्त कीं।

श्रीमती प्रभा राव वर्ष 1972 से 1989 तथा 1995 से 1999 तक छह बार महाराष्ट्र विधान सभा की सदस्य रहीं। इस दौरान आप वर्ष 1972 से 1976 तक महाराष्ट्र सरकार में आयोजना, उद्योग तथा शिक्षा विभाग की राज्य मंत्री रहीं। आप शिक्षा, खेल एवं युवा मामले, पर्यटन, सहकारिता, राजस्व एवं संस्कृति विभागों की मंत्री भी रहीं। श्रीमती राव वर्ष 1979 में महाराष्ट्र विधान सभा में प्रतिपक्ष की नेता रहीं। आप वर्ष 1993 से 1995 तक महाराष्ट्र के महिला आयोग की अध्यक्ष रहीं तथा वर्ष 1999 में वर्धा निर्वाचन क्षेत्र से 13वीं लोक सभा की सांसद निर्वाचित हुई। श्रीमती राव 19 जुलाई, 2008 से 21 जनवरी, 2010 तक हिमाचल प्रदेश तथा 3 दिसम्बर, 2009 से 26 अप्रैल,

(श्री अध्यक्ष)

2010 तक राजस्थान के राज्यपाल के पद पर आसीन रहीं।

सरल व्यक्तित्व की धनी श्रीमती प्रभा राव भूमि विकास बैंक एवं महाराष्ट्र राइफल एसोसिएशन की अध्यक्ष तथा महाराष्ट्र सहकारी बैंक की निदेशक रहीं। आप लगभग 10 वर्षों तक महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष रहीं। आप कांग्रेस वर्किंग कमेटी की सदस्य तथा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव भी रहीं। कुशल प्रशासक तथा अनुभवी संसदविद श्रीमती प्रभा राव का राजस्थान के राज्यपाल के रूप में किया गया योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

कृष्ण लाल बाल्मिकी, श्री पूर्व सांसद

सांसद श्री कृष्ण लाल बाल्मिकी का जन्म 10 जुलाई, 1942 को जयपुर के सांगानेर कस्बे में हुआ। आपने हायर सैकण्डरी तक शिक्षा प्राप्त की।

श्री कृष्ण लाल बाल्मिकी अप्रैल, 2006 में राज्य सभा के लिए राजस्थान से भारतीय जनता पार्टी के सांसद निर्वाचित हुए। अपने संसदीय कार्यकाल के दौरान आप कार्मिक, जन अभाव-अभियोग, विधि एवं न्याय सम्बन्धी समिति, शहरी विकास सम्बन्धी समिति तथा अनुसूचित जाति एवं जन जाति कल्याण सम्बन्धी समिति के सदस्य रहे। आप मानव संसाधन विकास मंत्रालय की सलाहकार समिति तथा क्षेत्रीय रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य भी रहे। श्री बाल्मिकी राज्य सभा में भारतीय जनता पार्टी के सचेतक भी रहे।

सरल व्यक्तित्व के स्वामी श्री बाल्मिकी निचले तबके के लोगों के उत्थान के लिए सदैव प्रयासरत रहे। आप वर्ष 1997 से 2000 तक इण्डियन एयर लाइन्स में वरिष्ठ यातायात अधीक्षक तथा राजस्थान सफाई कर्मचारी आयोग के चेयरमैन रहे।

श्री कृष्ण लाल बाल्मिकी का दिनांक 20 अप्रैल, 2010 को निधन हो गया।

रामरतन बैरवा, श्री पूर्व सदस्य

पूर्व विधायक श्री रामरतन बैरवा का जन्म 1 अगस्त, 1959 को केकड़ी तहसील के कैरोट ग्राम में हुआ। आपने बी.ए. एवं बी.एड की उपाधियां प्राप्त कीं।

श्री बैरवा बारहवीं राजस्थान विधान सभा में शाहपुरा सुरक्षित निर्वाचन

(श्री अध्यक्ष)

क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के विधायक रहे। विधान सभा के कार्यकाल के दौरान आप सरकारी आश्वासनों सम्बन्धी समिति के सदस्य रहे। विधान सभा में आप अपने निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव प्रयत्नशील रहे।

श्री रामरतन बैरवा का दिनांक 21 अप्रैल, 2010 को निधन हो गया।

हरीश शर्मा, श्री पूर्व सदस्य

पूर्व विधायक श्री हरीश शर्मा का जन्म 10 नवम्बर, 1948 को बारां जिले की अन्ता पंचायत समिति के काचरी ग्राम में हुआ। आपने कोटा राजकीय महाविद्यालय से स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की।

श्री हरीश शर्मा छठी, सातवीं तथा आठवीं राजस्थान विधान सभा में विधायक रहे। आप छठी एवं सातवी विधान सभा के लिए रामगंजमण्डी तथा आठवीं विधान सभा के लिए खानपुर निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुए। श्री शर्मा ने छठी विधान सभा में जनता पार्टी तथा सातवीं एवं आठवीं विधान सभा में भारतीय जनता पार्टी का प्रतिनिधित्व किया। विधान सभा के कार्यकाल के दौरान आप नियम उप समिति, याचिका समिति तथा खान विभाग की संसदीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य रहे।

आपने अपने सार्वजनिक जीवन में अनेक आन्दोलनों में सक्रिय भूमिका निभाई तथा जेल यात्रा भी की। कोटा राजकीय महाविद्यालय छात्र संघ के तीन बार अध्यक्ष रहे श्री शर्मा महाविद्यालय की कबड्डी टीम के कप्तान भी रहे। साहित्यिक पुस्तकों के अध्ययन में रुचि रखने वाले शर्मा की कहानियां तथा कविताएं विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई।

श्री हरीश शर्मा का दिनांक 19 मई, 2010 को निधन हो गया।

मेजर फतेह सिंह, श्री पूर्व सदस्य

पूर्व विधायक मेजर फतेह सिंह का जन्म 10 मई, 1915 को उदयपुर जिले के नन्दावट ग्राम में हुआ। आपने बी.ए. (ऑनर्स) तथा एलएल.बी. की उपाधियां प्राप्त कीं। मेजर फतेह सिंह दूसरी, चौथी एवं छठी राजस्थान विधान सभा के लिए क्रमश: निर्दलीय, स्वतंत्र पार्टी तथा जनता पार्टी के विधायक निर्वाचित हुए। आपने दूसरी तथा छठी विधान सभा में भीम तथा चौथी विधान सभा में ब्यावर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। विधान सभा के कार्यकाल के दौरान आप अधीनस्थ विधान सम्बन्धी समिति के सभापति रहे।

(श्री अध्यक्ष)

आप वर्ष 1939 से 1952 तक भारतीय सेना में सेवारत रहे तथा इस दौरान आपने कई वर्षों तक मेजर के पद के दायित्वों का निर्वहन किया। समाज सेवा में रुचि रखने वाले मेजर सिंह कई बार राजस्थान रावत राजपूत महासभा के अध्यक्ष रहे। आप राजपूत समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों के निवारण हेतु प्रयत्नशील रहे।

मेजर फतेह सिंह का दिनांक 16 जून, 2010 को निधन हो गया।

पुखराज कालानी, श्री पूर्व सदस्य

पूर्व विधायक श्री पुखराज कालानी का जन्म 25 फरवरी, 1928 को पाली जिले के देवली कलां ग्राम में हुआ। आपने बी.काम., एफ.सी.ए. तथा चार्टर्ड एकाउन्टेंट की उपाधियां प्राप्त कीं।

श्री पुखराज कालानी चौथी एवं पांचवीं राजस्थान विधान सभा में सोजत निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक रहे। विधान सभा के कार्यकाल के दौरान आप जन लेखा समिति एवं सामान्य कार्यों सम्बन्धी समिति के सभापति रहे।

श्री कालानी जोधपुर की चौपासनी शिक्षण संस्थान एवं महेश शिक्षण संस्थान की कार्यकारिणी के सदस्य रहे। आप सर्वोदय केन्द्र, खीमत, जिला परिषद, पाली तथा लायन्स क्लब, जोधपुर के सदस्य भी रहे। श्री कालानी ने वर्ष 1971 में चार्टर्ड एकाउन्टेंट दल के साथ दूसरी देशों के अंकेक्षण एवं कर-पद्धति का अध्ययन करने हेतु विश्व भ्रमण किया।

श्री पुखराज कालानी का दिनांक 15 अगस्त, 2010 को निधन हो गया।

गोविन्द सिंह, श्री पूर्व सदस्य

पूर्व विधायक श्री गोविन्द सिंह का जन्म 25 सितम्बर, 1919 को झालावाड़ में हुआ। आपने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से बी.एससी. (तकनीकी) की उपाधि प्राप्त की।

श्री गोविन्द सिंह तीसरी राजस्थान विधान सभा में पिड़ावा निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक निर्वाचित हुए। विधान सभा में आप अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए सदैव प्रयासरत रहे। अपने सार्वजनिक जीवन में आप राजकीय महाविद्यालय, कोटा में रसायन-विज्ञान के व्याख्याता, वर्ष 1946 से 1948 तक झालावाड़ स्टेट में नागरिक आपूर्ति एवं कपड़ा सेवा के निदेशक

(श्री अध्यक्ष)

तथा वर्ष 1948 से 1949 तक झालावाड़ स्टेट फोर्सेज में कमाण्डिंग आफिसर रहे। श्री सिंह झालावाड़ जिले के मानद् सहायक नियोक्ता अधिकारी तथा जिला सैनिक, नाविक एवं विमानक के मानद् सचिव भी रहे। खेलों में रुचि रखने वाले श्री सिंह भवानी मंडी क्लब, झालावाड़ एवं भवानी मंडी स्पोर्टस क्लब से जुड़े रहे।

श्री गोविन्द सिंह का दिनांक 19 मई, 2010 को निधन हो गया।

मैं अपनी ओर से तथा इस सदन के सभी माननीय सदस्यों की ओर से दिवंगतों के प्रति शोक प्रकट करते हुए उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं तथा दिवंगत महानुभावों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत व्यक्तियों की आत्मा को शांति प्रदान करें तथा उनके शोक संतप्त परिजनों को उनका बिछोह सहन करने की शक्ति दे।

मंगलौर विमान हादसे में हुए निधन पर

दिनांक 22 मई, 2010 को मंगलौर हवाई अड्डे पर एयर इण्डिया का विमान उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हृदय विदारक दुर्घटना में करीब 158 लोगों की मौत हो गई।

मैं इस हादसे में मारे गये व्यक्तियों की मृत्यु पर भी शोक प्रकट करता हूं तथा पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

माननीय सदस्यगण कृपया दो मिनट खड़े रहकर दिवंगतों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करें।

(तदनन्तर सदन ने दो मिनट मौन खड़े रहकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की)

सदन की बैठक मंगलवार, दिनांक 31 अगस्त, 2010 के प्रात: 11 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की बैठक 11.17 बजे मंगलवार, दिनांक 31 अगस्त, 2010